हिन्दी विभाग

पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय

राजेन्द्रनगर, पटना

प्री० पीएच० डी० प्रवेश परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम

खण्ड (क)

भाषा विकास, भाषा विज्ञान के सिद्धन्त, ध्वनि, परिवर्तन, अर्थ परिवर्तन के कारण दिशाएँ, भाषोत्पत्ति के सिद्धान्त एवं कारण हिन्दी भाषा का उद्भव–अपभंश, अवहट्ट पुरानी हिन्दी काव्यलक्षण, काव्य–प्रयोजन् काव्य–रीति, रस–निष्पत्ति साधारणीकरण, ध्वनि सिद्धान्त, अलंकार सिद्धान्त

अरस्तू का विरेचन सिद्धान्त, प्लेटो, अनुकरणमूलक सिद्धान्त, क्रोचे का अभिव्यंजनावाद, आई ए रिचर्डस का संप्रेषण सिद्धान्त।

हिन्दी का मानकीकरण कामकाजी हिन्दी देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता एवं विशेषता राजभाषा और राष्ट्रभाषा की अद्यतन स्थिति, अनुवाद की विशेषताएँ जनसंचार एवं जनसंपर्क ख्यातिं साहित्यिक पत्रिकाएँ और पत्रकार भारतेन्दु, महांवीर प्रसाद द्विवेदी, गणेश शंकर विद्यार्थी, माखनलाल चतुवेदी, शिवपूजन सहाय, रामवृक्ष बेनीपुर, केसरी कुमार

खण्ड (ख)

हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की समस्याएँ, काल विभाजन और उसका आधार, नामकरण और उसकी समस्याएँ, हिन्दी साहित्येतिहास के लेखन की परम्पराएँ, आदिकाल का आरम्भ, रासो काव्य सिद्ध और नाथों का साहित्य, अमीर खुसरों और हिन्दी कविता, विद्यापति की पदावली, कीर्तिलता।

भक्ति आंदोलन–सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, सन्त काव्य की परंपर ओर उनका वैचारिक आधार। प्रमुख संत कवि--कबीर, दादू, रैदास, सूफी काव्य का वैचारिक आधार, प्रमुख सूफी कवियों की कृतियाँ जायसी पद्मावत कुतुबन–मृगावती मंझन--मधुमालती कृष्ण काव्य एवं अष्टछाप। प्रमुख कवि–सूरदास, (सूरसागर) नन्ददास (रासपंचाध्यायी), भ्रमर गीत परंपरा मीरा और रसखान् राम काव्य–तुलसीदास कवितावली (उत्तरकांड)।

StudyOrigin.COM

रीति काव्य, पृष्टभूमि–सामाजिक साहित्यिक एवं सांस्कृतिक परिस्थितियाँ, रीति काव्य का मूल स्त्रोत प्रमुख प्रवृत्तियाँ, आचार्यत्व, रीतिबद्ध रीतिमुक्त। प्रमुख कवि केशवदास, बिहारीलाल, धनानंद और पद्माकर। रीति साहित्य की प्रमुख विशेषताएँ।

खण्ड (ग)

1857 की क्रांति और हिन्दी प्रदेश का नवजागरण भारतेन्दु और अन्य लेखक द्विवेदीजी और सरस्वती का योगदान राष्ट्रीय काव्यधारा और मैथिलीशरण गुप्त, स्वछंदतावाद, साकेत (नवम्सर्ग), कामायनी (श्रद्धा और इड़ा सर्ग) निराला–सरोजस्कृति, राम की शक्तिपूजा, जूही की कली। पंत–पल्लव, उच्छवास आँसू परिवर्तन। महादेवी वर्मा संधिनी के आरंभ के दस गीत।
प्रगंतिवाद और प्रयोगवाद–अज्ञेय– (असाध्य वीणा), नदी के द्वीप। मुक्तिबोध–अंधेरे में, ब्रहम्राक्षस। धूमिल,–मोचीराम, (संसद से सड़क तक)। रघुवीर सहाय–रामदास, आत्महत्या के विरूद्ध। नागार्जुन–कालिदास, प्रेत की गाथा, सिन्दुर तिलकित भाल, बादल को धिरते देखा है।

खण्ड (घ)

खड़ी बोली का गद्य विकास नवजागरण, और साहित्य पर उसका प्रभाव ईस्ट इंडिया कम्पनी की भाषा नीति और तत्कालीन पत्र–पत्रिकाओं पर उसका प्रभाव। हिन्दी कहानी बीसवीं सदी के प्रमुख हिन्दी उपन्यास–प्रेमचंद के पूर्व, प्रेमचंद और उनका युग, परवर्तीकाल, प्रमुख उपवन्यासकार–जैनेन्द्र, अज्ञेय, हजारी प्रसाद द्विवेदी फणिश्वरनाथ रेणु, कृष्णा सोबती, मनु भंडारी।
नाटक और एकांकी, भारतीय नाट्यशास्त्र और उनकी अवधारणा, रंगमंच और अभिनय, प्रस्तुति प्रक्रिया। प्रमुख नाटक–अंधेर नगरी, चन्द्रगुप्त, अंधायुग। हिन्दी निबंध–निबंध के प्रकार और प्रमुख निबंधकार–बालकृष्ण भट्ट, महावीर प्रसाद द्विवेदी, रामचंद्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, विद्यानिवास मिश्र, हरिशंकर परसाई।

खण्ड (ड०)

पत्रकारिता और उसके विविध रूप, भारत में पत्रकारिता की पृष्ठभूमि और तत्कालीन शासन की नीति, पत्रकारिता का उद्भव और विकास, प्रमुख पत्रकार। सम्पादकीय लेखन, सामग्री चयन, विज्ञापन और कार्टून।
डायरी, आत्मकथा, पत्र लेखन का साहित्य।

StudyOrigin.com

नमूना प्रश्नपत्र

समूह (क)

1. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर दीजिएः— 5x6

क) साधारणीकरण

ख) हिन्दी के जनक—भारतेन्दु

ग) श्रद्धा और सरोज का तुलनात्मक विश्लेषण।

घ) पराधीनता काल की किन्हीं दो ख्यात पत्रिकाओं की देन।

ङ०) वल्लभ सम्प्रदाय,

च) कवित्त काव्य का प्रेत

छ) हिन्दी कहानी के तत्व

ज) सप्तक काव्य और हिन्दी साहित्य में उनका महत्व

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार का उत्तर दीजिए।

(200 शब्दों में) 4x10

क) हिन्दी साहित्य इतिहास लेखन की प्रमुख समस्याओं का विश्लेषण करें।

ख) पृथ्वीराज रासों की प्रामाणिकता पर विचार कीजिए।

ग) विद्यपति भक्त कवि थे या श्रृंगारिक कवि? तर्क पूर्ण उत्तर दीजिए।

घ) फणिश्वरनाथ रेणु के औपन्यासिक शिल्प का विवेचन कीजिए।

ङ०) कबितावली की प्रसिद्धि का आधार क्या है? विश्लेषण कीजिए।

च) अंधेर में शीर्षक कविता का कथ्य क्या है? तथ्यपूर्ण उत्तर दीजिए।

छ) हिन्दी की राष्ट्रीयता पर विचार कीजिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो का उत्तर दीजिएः—

(पाँच सौ शब्दों में) 2x15

क) भक्तिकाल को स्वर्णयुग कहा जाता है कैसे, विवेचन कीजिए।

ख) देवनागरी लिपि को वैज्ञानिकता एवं विशेष्ता पर प्रकाश डालिए।

ग) भाषा कबीर के सामने हाथ बाँधे खड़ी रहती थी। जब जो चाहा उससे कहलवाया। बन सका तो सीधे सीधे नहीं तो दरेरा देकर। इस कथन के आलोक में कबीर की भाषा पर विचार कीजिए।

घ) अर्थ परिवर्तन के कारण एवं दिशाओं का विवेचन कीजिए।

StudyOrigin.COM